A–0381

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

MAHL-506

एम.ए. हिन्दी (MAHL)

मध्यकालीन कविता (भाग दो)

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. भक्ति आंदोलन के परिप्रेक्ष्य में कृष्ण भक्ति काव्य परंपरा की भूमिका को विस्तारपूर्वक समझाइए ।

2. रीतिकाल की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए इस काल के नामकरण वैविध्य को लेकर विभिन्न विद्वानों के मत-मतांतरों को स्पष्ट कीजिए।

3. बिहारी की काव्यगत विशेषताओं के संदर्भ में सिद्ध कीजिए कि वह रीतिकाल के सर्वश्रेष्ठ एवं प्रतिनिधि कवि हैं।

4. रीतिकालीन कवि केशव के आचार्यत्व को उनकी रचनाओं के संदर्भ में रेखांकित कीजिए ।

5. घनानंद की प्रेमाभिव्यंजना पर एक सारगर्भित निबंध लिखिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. वैष्णव भक्ति के विभिन्न संप्रदायों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

2. मीरा की भक्ति भावना किस भाव की है? स्पष्ट कीजिए।

3. रीतिकाल के काल विभाजन पर विभिन्न विद्धानों के मतों पर प्रकाश डालिए।

4. दोहा और सोरठा छंद में क्या अंतर है ? समझाइए।

5. रीतिकालीन कविता का मूल्यांकन अपने शब्दों में कीजिए।

6. केशव की संवाद कला उदाहरण सहित विवेचित कीजिए।

7. घनानंद के वियोग-वर्णन पर टिप्पणी लिखिए।

8. मतिराम की काव्यानुभूति (भावपक्ष) पर प्रकाश डालिए।

****